The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

प्रेस विज्ञप्ति

26 नवंबर 2019

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में 70वां संविधान दिवस मनाया गया । इस दिन भारतीय संविधान को 1949 में संविधान सभा द्वारा अपनाया गया था। इस अवसर पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य श्री प्रशांत कुमार सिंह मुख्य अतिथि थे और झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सचिव श्री राजेश पांडे अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभी गणमान्य लोगों ने भारतीय संविधान के जनक माने जाने वाले भारत रत्न स्वर्गीय बी आर अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर प्रतिभागियों, छात्रों और शिक्षकों का स्वागत करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, "भारतीय संविधान न केवल दुनिया का सबसे लंबा संविधान है, बल्कि सबसे अधिक परिवर्तनकारी भी है, क्योंकि यह सामाजिक तथा आर्थिक न्याय प्रदान करने के लिए भारत के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। भारतीय संविधान समानता और स्वतंत्रता के साथ, देश के नागरिकों के लिए भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों, रीति-रिवाजों आदि की सबसे बड़ी विविधता के साथ स्थापित करता है । प्रो राव ने कहा- भारतीय संविधान की सफलता का श्रेय न केवल संविधान के लेखकों को बल्कि न्यायपालिका को भी जाता है । उन्होंने आगे सभी प्रतिभागियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई ।

श्रोताओं को संबोधित करते हुए, श्री प्रशांत कुमार सिंह ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संचालन में विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की और कहा, "कानून जीवन का एक तरीका है और यह एकमात्र ऐसा पेशा है जहाँ आप अपना सिर ऊँचा रख सकते हैं"। श्री राजेश पांडे ने निरक्षरों के बीच नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों जैसे कानूनी पहलुओं पर जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों को प्रेरित किया।

इस दिन कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 'संवैधानिक कानून प्रश्नोत्तरी', 'ए डे विद फाउंडिंग फादर्स' तथा 'कॉन्स्टीट्यूशनल एट्टीट्यूड क्विज' शामिल थे, जिसमें आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, एनयूएसआरएल, इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, एमिटी यूनिवर्सिटी झारखंड, सेंट जेवियर कॉलेज, मारवाड़ी कॉलेज आदि के छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के विजेताओं को सम्मान समारोह में श्री अभिषेक कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), रांची और डॉ श्यामला, एसोसिएट प्रोफेसर सह निदेशक (अनुसंधान), एनयूएसआरएल द्वारा सम्मानित किया गया ।

प्रोफेसर आलोक कुमार, विश्वविद्यालय में कानून कार्यक्रमों के समन्वयक, अन्य संकाय सदस्यों और छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने दिया।